पद्मासने स्थिते देवी, परब्रह्म स्वरूपनी ।

परमेश्वरि जगतमाता, महासरस्वती नमोस्तुते । ।

|| सरस्वती माता आरती ||

ॐ जय सरस्वती माता, जय जय सरस्वती माता,
सदगुण वैभवशालिनि, त्रिभुवन विख्याता ||
जय जय सरस्वती माता,
ॐ जय सरस्वती माता, जय जय सरस्वती माता ||

चंद्रवदन पदमासिनी कृति मंगलकारी,
सोहे शुभ हंस सवारी, अतुल तेज धारी ||
जय जय सरस्वती माता,
ॐ जय सरस्वती माता, जय जय सरस्वती माता ||

बाएं कर में वीणा, दाएं कर माला,
शीश मुकुटमणि सोहे, गल मोतियन माला ||
जय जय सरस्वती माता,
ॐ जय सरस्वती माता, जय जय सरस्वती माता ||

देवि शरण जो आए, उनका उद्धार किया,
बैठी मंथरा दासी, रावण संहार किया ||
जय जय सरस्वती माता,
ॐ जय सरस्वती माता, जय जय सरस्वती माता ||

विद्यादान प्रदायिनि ज्ञान-प्रकाश भरो,
मोह, अज्ञान की निरखा, जग से नाश करो ||
जय जय सरस्वती माता,
ॐ जय सरस्वती माता, जय जय सरस्वती माता ||

धूप, दीप, फल, मेवा, ओ मां स्वीकार करो,
ज्ञान-चक्षु दे माता, जग निस्तार करो ||
जय जय सरस्वती माता
ॐ जय सरस्वती माता, जय जय सरस्वती माता ||

मां सरस्वती की आरती, जो कोई जन गावै,
हितकारी सुखकारी, ज्ञान भक्ति पावै ||
जय जय सरस्वती माता,
ॐ जय सरस्वती माता, जय जय सरस्वती माता ||

ॐ जय सरस्वती माता, जय जय सरस्वती माता,
सदगुण वैभवशालिनि, त्रिभुवन विख्याता ||
जय जय सरस्वती माता,
ॐ जय सरस्वती माता, जय जय सरस्वती माता ||

www.hanumanchalisalyric.com